मंगलवार, 09 जून, 2026
www.tvbharatvarsh.in
E-PAPER
कुल पृष्ठ–08

सूर्यकुमार यादव ने 32 बॉल पर ठोक दिए नाबाद 72 रन

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

उर्मिला मातोदकर के अभिनय कि जमकर तारीफ़ हुई

Page-05

हालिया विधानसभा चुनावों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद INDIA ब्लॉक ने अपनी राजनीतिक रणनीति को नए सिरे से मजबूत करने की पहल शुरू की है। इसी उद्देश्य से नई दिल्ली में विपक्षी दलों की बैठक आयोजित कर भाजपा-एनडीए के खिलाफ साझा मुद्दों और आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में विपक्षी एकता, संसद में समन्वित विरोध और जनहित के मुद्दों को लेकर संयुक्त संघर्ष का संकल्प लिया गया।

INDIA ब्लॉक की अहम बैठक भाजपा के खिलाफ रणनीति पर मंथन

हाल ही में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद विपक्षी दलों के गठबंधन I N D I A ब्लॉक ने सोमवार को नई दिल्ली में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। राजधानी स्थित कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में हुई इस बैठक में 23 राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के साथ-साथ भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ साझा रणनीति पर चर्चा की।बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और सांसद अभिषेक बनर्जी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके अलावा वामपंथी दलों और क्षेत्रीय पार्टियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।बैठक में महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, किसानों की समस्याएं और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

हुई। नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए काम कर रही है। विपक्षी दलों ने संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति पर भी सहमति बनाई।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद कहा कि गठबंधन पांच प्रमुख मुद्दों पर एकमत हुआ है और आने वाले समय में सड़क से संसद तक संघर्ष को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की आवाज बनकर सरकार को जवाबदेह बनाने का काम करेगा।बैठक में नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक मामलों को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। विपक्ष ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई और कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही निर्णय लिया गया कि गठबंधन की बैठक अब हर दो महीने में आयोजित की जाएगी। अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बैठक विपक्ष के लिए शक्ति प्रदर्शन और संगठनात्मक मजबूती का प्रयास है। आने वाले विधानसभा चुनावों और राष्ट्रीय राजनीति में INDIA ब्लॉक की भूमिका को लेकर यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ईरान पर इजराइल का भीषण जवाबी हमला

पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा हाल में किए गए मिसाइल हमलों के जवाब में इजराइल ने सोमवार तड़के ईरान के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में कई सैन्य ठिकानों पर व्यापक हवाई हमले किए। इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति बन गई है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने गहरी चिंता व्यक्त की है।इजराइली रक्षा बलों (IDF) के अनुसार, हमले का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना और हालिया मिसाइल हमलों का जवाब देना था। बताया जा रहा है कि इजराइल ने उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां मिसाइल प्रणालियां, सैन्य गोदाम और रणनीतिक प्रतिष्ठान मौजूद थे। दूसरी ओर, ईरानी अधिकारियों ने दावा किया कि हमलों में कई सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा है और कुछ नागरिक क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं।तनाव का असर पूरे क्षेत्र में दिखाई दिया। सऊदी अरब के कुछ इलाकों में एहतियातन सायरन बजाए गए, जबकि यमन से भी मिसाइल दागे जाने की खबरें सामने आईं। क्षेत्रीय सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और कई देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि संघर्ष आगे बढ़ता है तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार, कच्चे तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ सकता है। मध्य पूर्व पहले से ही कई भू-राजनीतिक संघर्षों का केंद्र रहा है और नए सैन्य टकराव से स्थिति और जटिल हो सकती है।

इंटरव्यू के बीच भड़के डोनाल्ड ट्रंप माइक उतारा और चले गए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने विवादित बयानों और मीडिया से टकराव को लेकर चर्चा में हैं। इस बार मामला एक टेलीविजन इंटरव्यू से जुड़ा है, जहां एक सवाल पर नाराज होकर ट्रंप ने इंटरव्यू बीच में ही छोड़ दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।जानकारी के अनुसार, ट्रंप NBC न्यूज के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' के लिए इंटरव्यू दे रहे थे। बातचीत के दौरान एंकर ने चुनावी प्रक्रिया और प्रशासन से जुड़े कुछ सवाल पूछे। इसी दौरान ट्रंप अचानक नाराज हो गए और मीडिया संस्थानों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाने लगे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रंप ने बातचीत के दौरान अमेरिकी चुनाव प्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ व्यवस्थाएं 'तीसरी दुनिया के देशों' जैसी दिखाई देती हैं। उन्होंने बड़े मीडिया नेटवर्क्स को भी निशाने पर लिया और उन्हें 'बेईमान प्रेस' करार दिया। माहौल तब और गरमा गया जब उन्होंने एंकर को संबोधित करते हुए "थैंक यू, डार्लिंग" कहा, अपना माइक्रोफोन हटाया और इंटरव्यू बीच में छोड़कर चले गए।इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में बहस तेज हो गई है। ट्रंप समर्थकों का कहना है कि राष्ट्रपति ने पक्षपातपूर्ण सवालों का विरोध किया, जबकि आलोचकों ने इसे लोकतांत्रिक संवाद से बचने की कोशिश बताया है। मीडिया संगठनों ने भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पत्रकारिता के अधिकारों का समर्थन किया है।

नेपाल सीमा के पास गिरफ्तार हुआ TMC नेता जहांगीर खान

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल मचाते हुए राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के प्रभावशाली नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, खान को भारत-नेपाल सीमा के पास एक गुप्त अभियान के दौरान पकड़ा गया। वह कई दिनों से फरार चल रहा था और सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी थीं।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जहांगीर खान के खिलाफ दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा थाने में सात अलग-अलग एफआईआर दर्ज हैं। इन मामलों में गंभीर आपराधिक आरोप शामिल हैं। हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद उनके फरार होने की खबर सामने आई थी।एसटीएफ को खुफिया जानकारी मिली थी कि खान सीमा क्षेत्र में छिपा हुआ है और देश छोड़ने की कोशिश कर सकता है। इसके बाद विशेष टीमों का गठन कर उसकी गतिविधियों पर निगरानी रखी गई। सोमवार सुबह चलाए गए अभियान में उसे हिरासत में ले लिया गया।गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे कोलकाता लेकर आई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान उसके नेटवर्क और कथित सहयोगियों की भी जानकारी जुटाई जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फरारी के दौरान उसे किस प्रकार की सहायता मिल रही थी।इस गिरफ्तारी ने राज्य की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। विपक्षी दलों ने कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि टीएमसी नेताओं ने कहा है कि कानून अपना काम कर रहा है और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जहांगीर खान की गिरफ्तारी का असर आने वाले समय में राज्य की राजनीति पर भी दिखाई दे सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

फिलीपींस में भीषण भूकंप से तबाही

फिलीपींस में आए शक्तिशाली भूकंप ने व्यापक तबाही मचा दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है।भूकंप के तेज झटके महसूस होते ही लोग घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। कई इलाकों में बिजली और संचार सेवाएं भी प्रभावित हुईं। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी की और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हालांकि बाद में कुछ क्षेत्रों में खतरे का स्तर कम कर दिया गया।फिलीपींस दुनिया के सबसे अधिक भूकंप प्रभावित देशों में से एक है क्योंकि यह प्रशांत महासागर के 'पैसिफिक रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में स्थित है। यह क्षेत्र पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों के सक्रिय संपर्क क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप दर्ज किए जाते हैं। इसी कारण फिलीपींस, जापान, इंडोनेशिया और अन्य कई देशों में अक्सर भूकंपीय गतिविधियां देखने को मिलती हैं।स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, कई मकानों, स्कूलों और सार्वजनिक भवनों को नुकसान पहुंचा है। कुछ स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे राहत कार्य प्रभावित हुए। सेना और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है।विशेषज्ञों का कहना है कि मुख्य भूकंप के बाद आफ्टरशॉक आने की संभावना बनी हुई है। सरकार ने नागरिकों से सतर्क रहने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। फिलहाल नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है और प्रभावित लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अचानक आए तूफान से एयर इंडिया के तीन विमान क्षतिग्रस्त

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार रात अचानक आए तेज तूफान और भारी बारिश के कारण एयर इंडिया के तीन विमान क्षतिग्रस्त हो गए। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, तेज हवाओं की वजह से ग्राउंड सपोर्ट इक्विपमेंट अपनी जगह से खिसक गए और खड़े विमानों से टकरा गए। घटना टर्मिनल-2 क्षेत्र में हुई, जहां खराब मौसम ने कुछ ही मिनटों में परिचालन को प्रभावित कर दिया।दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) ने बताया कि तेज हवा के झोंकों के कारण कुछ उपकरणों को नियंत्रित रखना मुश्किल हो गया। इनमें एयर इंडिया इंजीनियरिंग और अन्य ग्राउंड ऑपरेशंस से जुड़े उपकरण भी शामिल थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उपकरणों के टकराने से विमानों को बाहरी क्षति पहुंची, हालांकि किसी यात्री या कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है।एयर इंडिया ने प्रभावित विमानों का निरीक्षण शुरू कर दिया है और

तकनीकी टीमें क्षति का आकलन कर रही हैं। एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और विमानों को आवश्यक मरम्मत तथा तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद ही सेवा में वापस लाया जाएगा। घटना के बाद कुछ उड़ानों के संचालन पर भी अस्थायी असर पड़ा, हालांकि हवाई अड्डे पर सामान्य सेवाएं धीरे-धीरे बहाल कर दी गईं।मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में उस रात तेज आंधी, बिजली और बारिश की स्थिति बनी थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक मौसम घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति के कारण हवाई अड्डों को ग्राउंड उपकरणों की सुरक्षा और आपात प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत करना होगा। DIAL ने कहा है कि घटना की विस्तृत जांच की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2- 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

भारत के परमाणु हथियार 190 पहुंचे, पाकिस्तान से बढ़ी बढ़त; वैश्विक परमाणु शस्त्रागार भी हुआ मजबूत

दुनिया भर में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा चुनौतियों के बीच परमाणु हथियारों की दौड़ एक बार फिर तेज होती दिखाई दे रही है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की ताजा रिपोर्ट में भारत, पाकिस्तान, चीन, रूस और अमेरिका सहित परमाणु शक्तियों के शस्त्रागार की स्थिति का आकलन किया गया है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को कहा कि भारत ने पाकिस्तान से अधिक परमाणु शस्त्रागार का विस्तार किया है और जनवरी 2026 तक उसके पास लगभग 190 परमाणु हथियार होंगे। वहीं, पाकिस्तान के पास लगभग 170 परमाणु हथियार मौजूद हैं। एसआईपीआरआई ने अपनी 2026 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि भारत के परमाणु भंडार में 10 की वृद्धि हुई है, क्योंकि 2025 में यह 180 था। इनमें से 12 अभी भी तैनात हैं। इसके विपरीत, पाकिस्तान का भंडार 2025 में 170 था और उसने इसमें कोई वृद्धि नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अपने परमाणु शस्त्रागार में मामूली विस्तार किया है और नए प्रकार के परमाणु वितरण प्रणालियों का विकास जारी रखा है। इसमें भारत के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का भी उल्लेख किया गया है, जिसके बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि यह चीन भर में लक्ष्यों को भेदने में सक्षम लंबी दूरी के हथियारों के विकास" पर केंद्रित है। हालांकि, एसआईपीआरआई की 2026 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत पाकिस्तान के साथ अपनी "दीर्घकालिक प्रतिद्वंद्विता" पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए है। रिपोर्ट में पाकिस्तान के बारे में कहा गया है कि इस्लामाबाद ने 2025 में "नई वितरण प्रणालियाँ विकसित कीं और विखंडनीय सामग्री का संचय किया, जिससे संकेत मिलता है कि वह आने वाले दशक में अपने शस्त्रागार का विस्तार करने की संभावना रखता है। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया है और कहा गया है कि भारत ने पाकिस्तान के उन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जिनमें परमाणु हथियार होने की संभावना थी। रिपोर्ट में कहा गया है, मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संक्षिप्त सशस्त्र संघर्ष में भारत ने पाकिस्तान के उन हवाई और मिसाइल ठिकानों पर हमला किया जिनमें परमाणु संबंधी भूमिका होने की संभावना थी, लेकिन दोनों पक्षों ने तनाव बढ़ने से रोकने के लिए कदम उठाए। चीन और रूस ने अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार किया; अमेरिका का भंडार अपरिवर्तित रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन का परमाणु शस्त्रागार 2025 में 600 से बढ़कर 2026 में 620 हो गया है। इनमें से 34 तैनात किए जा चुके हैं। इसी तरह, रूस का शस्त्रागार 2025 में 4,309 से बढ़कर 2026 में 4,400 हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने 2026 में 1,796 परमाणु हथियार तैनात किए हैं। दूसरी ओर, संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) का परमाणु शस्त्रागार 3,700 पर अपरिवर्तित रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका के पास 1,770 तैनात परमाणु हथियार हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि नौ परमाणु-सशस्त्र देशों ने अपने परमाणु शस्त्रागारों के आधुनिकीकरण और संवर्धन के कार्यक्रम जारी रखे हैं। जनवरी 2026 में अनुमानित 12,187 परमाणु हथियारों के कुल वैश्विक भंडार में से लगभग 9745 संभावित उपयोग के लिए सैन्य भंडारों में रखे गए थे।

भारतीय दूतावास का बड़ा अलर्ट

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति में तीव्र और तेजी से हो रही गिरावट के बीच, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को एक नई, उच्च प्राथमिकता वाली यात्रा सलाह जारी की है, जिसमें सभी भारतीय नागरिकों से ईरान की यात्रा से पूरी तरह बचने का आग्रह किया गया है और देश में मौजूद लोगों को तत्काल देश छोड़ने की सलाह दी गई है। यह आपातकालीन सूचना पिछले 24 घंटों में हुई प्रमुख सैन्य झड़पों के बाद आई है, जिनमें कई शहरों में सैन्य झड़पें, रणनीतिक ठिकानों पर हवाई हमले और पूरे क्षेत्र में भारी गोलाबारी शामिल हैं। क्षेत्र में हुए नवीनतम घटनाक्रमों को देखते हुए, दूतावास सभी भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की अपनी पूर्व सलाह को दोहराता है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को कहा कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी उपलब्ध परिवहन साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी जाती है।पश्चिम एशिया में तनाव में तीव्र वृद्धि का संकेत देते हुए, इज़राइल और ईरान ने सोमवार को, युद्ध के 100वें दिन, एक-दूसरे पर गोलीबारी की, जिससे पहले से ही नाजुक युद्धविराम गंभीर खतरे में पड़ गया और क्षेत्रीय युद्ध के फिर से भड़कने का खतरा पैदा हो गया। यरुशलेम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को और जटिल बनाते हुए, ईरान समर्थित हौथियों ने घोषणा की कि वे लाल सागर, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, पर इज़राइली जहाजों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा रहे हैं।

असम में शुरू होगा भारत का पहला 'ब्लू वैली क्लस्टर' पूर्वोत्तर विकास को मिलेगी नई गति

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पूर्वोत्तर भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। यूरोपीय संघ (EU) के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 'टीम यूरोप' ने असम दौरे के दौरान भारत के पहले 'ब्लू वैली क्लस्टर' की स्थापना की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों में सतत विकास, नवाचार, निवेश और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।यह परियोजना असम के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम जैसे राज्यों को भी लाभ पहुंचाएगी। इसके माध्यम से स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, आधुनिक तकनीक के समावेश और रोजगार के नए अवसरों के सृजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही क्षेत्रीय व्यापार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।विशेषज्ञों का मानना है कि 'ब्लू वैली क्लस्टर' पूर्वोत्तर क्षेत्र को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी साझेदारों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकता है। इससे स्थानीय स्टार्टअप्स, कृषि आधारित उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा नवाचार आधारित परियोजनाओं को नई संभावनाएं मिलेंगी। परियोजना के माध्यम से कौशल विकास, अनुसंधान और पर्यावरण-अनुकूल विकास को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा।यह पहल भारत और यूरोपीय संघ के बीच जनवरी 2026 में हुए शिखर सम्मेलन में तय व्यापक रणनीतिक सहयोग का हिस्सा है। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने, निवेश आकर्षित करने और पूर्वोत्तर राज्यों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफलतापूर्वक लागू होती है, तो पूर्वोत्तर भारत न केवल आर्थिक रूप से अधिक सशक्त होगा, बल्कि सतत और समावेशी विकास का एक नया मॉडल भी स्थापित कर सकेगा।

बलूच उग्रवादियों ने कई पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों और बलोच सशस्त्र संगठनों के बीच संघर्ष लगातार बढ़ रहा है। क्षेत्र में अलगाववादी गतिविधियों और सैन्य अभियानों के कारण तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। इसी बीच बलोच सशस्त्र संगठनों ने अलग-अलग इलाकों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कई हमले किए, जिनमें एक वरिष्ठ अधिकारी समेत कई सैनिकों के मारे जाने की खबर सामने आई है। इन हमलों की जिम्मेदारी बलोच लिबरेशन आर्मी (BLA), बलोच राजी आजोई संगर (B R A S) और बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स (BRG) ने ली है। स्थानीय

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार घटनाएं तुर्बत, खुजदार और कच्छी क्षेत्रों में हुईं। बलोच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने तुर्बत के कालातुक इलाके में पाकिस्तानी बलों पर हमला किया। संगठन के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने कहा कि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना की मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुडे लेफ्टिनेंट कर्नल अरसलान हलीम सहित चार सैनिक मारे गए। संगठन ने कहा कि यह ऑपरेशन 6 जून को गोपनीय और सत्यापित इंटेलिजेंस के आधार पर किया गया। हमले के बाद इलाके में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई। हालांकि पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से तत्काल विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया। एक अन्य बलोच संगठन बलोच राजी आजोई संगर (BRAS) ने खुजदार जिले के जेहरी क्षेत्र में सैन्य बलों को निशाना बनाने का दावा किया। संगठन के अनुसार उसके लड़ाकों ने बालबाल इलाके में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें आठ सैनिक मारे गए और एक सैन्य वाहन नष्ट हो गया।

RBI ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव वैश्विक संकट के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने पर जोर

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच मौद्रिक नीति को यथावत रखते हुए रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए फिलहाल सतर्क रुख अपनाना आवश्यक है।आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मजबूत बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीतिक तनावों का असर आने वाले महीनों में महंगाई और विकास दर दोनों पर पड़ सकता है। इसी कारण मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने सर्वसम्मति से रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करने का निर्णय लिया।केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, वैश्विक व्यापार मार्गों में बाधा और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां महंगाई को प्रभावित कर सकती हैं। दूसरी ओर आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत रखा गया है।बैठक के दौरान आरबीआई ने विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदमों की भी घोषणा की। सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने, विदेशी मुद्रा जमा योजनाओं को प्रोत्साहन देने और पूंजी प्रवाह को मजबूत करने के उपाय किए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कदमों से रुपये को स्थिरता मिलेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत भरा है। यदि वैश्विक हालात सामान्य रहते हैं तो आने वाले महीनों में महंगाई नियंत्रण में रह सकती है। फिलहाल आरबीआई ने संकेत दिया है कि वह परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर नीतिगत हस्तक्षेप करेगा।

संपादक की कलम से

पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का केंद्र बन गया है। हाल के दिनों में क्षेत्र में बढ़े सैन्य तनाव, कूटनीतिक गतिरोध और सुरक्षा संबंधी घटनाओं ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। यह संकट केवल क्षेत्रीय देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव ऊर्जा बाजार, वैश्विक व्यापार, निवेश और आम नागरिकों के जीवन पर भी पड़ रहा है।दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी तक महामारी, रूस-यूक्रेन संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं से पूरी तरह उबर नहीं पाई है। ऐसे समय में पश्चिम एशिया में अस्थिरता ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों, विशेषकर भारत जैसे विकासशील राष्ट्रों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, उत्पादन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ता है।

परिणामस्वरूप महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो जाता है।भारत के लिए यह स्थिति विशेष महत्व रखती है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। पश्चिम एशिया भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक साझेदार भी है। ऐसे में क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक हितों और विदेश नीति पर पड़ सकता है। यही कारण है कि भारत लगातार संवाद, शांति और कूटनीतिक समाधान की वकालत करता रहा है।हालांकि संकट केवल आर्थिक नहीं है। यदि क्षेत्रीय संघर्ष व्यापक रूप लेता है तो इसका मानवीय प्रभाव भी गंभीर हो सकता है। लाखों लोगों के विस्थापन, मानवीय संकट और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इतिहास गवाह है कि युद्ध और संघर्ष का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि संबंधित देश संयम का परिचय दें और विवादों का समाधान बातचीत के माध्यम से खोजें। संयुक्त राष्ट्र तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। वैश्विक शांति और आर्थिक स्थिरता किसी एक देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है।पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट यह याद दिलाता है कि आधुनिक विश्व में कोई भी क्षेत्रीय संघर्ष वास्तव में केवल क्षेत्रीय नहीं रह जाता। उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर पूरी दुनिया को प्रभावित करता है। इसलिए समय की मांग है कि टकराव नहीं, संवाद को प्राथमिकता दी जाए। यही विश्व शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवता के हित में सबसे उपयुक्त मार्ग है।

INDIA गठबंधन की अहम बैठक
23 दलों ने दिखाई एकजुटता; विपक्षी रणनीति पर मंथन

लोकसभा चुनाव के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों और हाल के विधानसभा चुनाव परिणामों के बीच विपक्षी INDIA गठबंधन अपनी राजनीतिक दिशा तय करने में जुटा है। गठबंधन के भीतर मतभेदों की चर्चाओं के बावजूद विपक्ष भाजपा के खिलाफ साझा रणनीति बनाने का प्रयास कर रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश की राजनीति में विपक्षी एकता को नया संदेश देने के उद्देश्य से सोमवार को राजधानी दिल्ली में INDIA गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। लोकसभा चुनाव के बाद बने नए राजनीतिक माहौल और विभिन्न राज्यों में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के परिणामों के बीच आयोजित इस बैठक को विपक्ष के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। बैठक में गठबंधन से जुड़े 23 राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ साझा रणनीति तैयार करने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की।बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेताओं सहित कई प्रमुख विपक्षी चेहरे शामिल हुए। नेताओं ने संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक न्याय और संघीय ढांचे से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त रूप से आवाज उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।बैठक के दौरान इस बात पर भी चर्चा हुई कि विपक्ष को केवल चुनावी गठबंधन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जनहित के मुद्दों पर सड़क से संसद तक साझा आंदोलन चलाने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। कई नेताओं ने सुझाव दिया कि राज्यों में समन्वय समितियों का गठन किया जाए ताकि विभिन्न दलों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सके और भाजपा के खिलाफ संयुक्त अभियान को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।हालांकि बैठक से पहले गठबंधन के भीतर मतभेदों की खबरें लगातार सुर्खियों में रहीं। तमिलनाडु की डीएमके द्वारा कांग्रेस के साथ कुछ मुद्दों पर असहमति जताने और बैठक से दूरी बनाने की खबरों ने राजनीतिक हलकों में चर्चा को जन्म दिया। इसके अलावा माकपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे कुछ सहयोगी दलों ने भी कांग्रेस की कार्यशैली और निर्णय प्रक्रिया को लेकर अपनी नाराजगी सार्वजनिक रूप से व्यक्त की थी। इन घटनाओं के बाद राजनीतिक विश्लेषकों ने INDIA गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठाए थे।इसके बावजूद बैठक में शामिल नेताओं ने सार्वजनिक रूप से एकता का संदेश देने की कोशिश की। कांग्रेस नेतृत्व ने दावा किया कि गठबंधन पहले की तुलना में अधिक संगठित और मजबूत है तथा भाजपा के खिलाफ एक प्रभावी राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। नेताओं ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, संविधान की रक्षा और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सभी दल एक साथ खड़े हैं।बैठक में भविष्य की राजनीतिक रणनीति, राज्यों में संगठनात्मक विस्तार, संयुक्त जनसभाओं और संसद के भीतर बेहतर समन्वय को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। विपक्षी दलों का मानना है कि यदि वे अपने अंदरूनी मतभेदों को सीमित रखते हुए साझा एजेंडे पर आगे बढ़ते हैं, तो राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और प्रभाव दोनों मजबूत हो सकते हैं।राजनीतिक जानकारों के अनुसार, यह बैठक केवल एक औपचारिक राजनीतिक आयोजन नहीं बल्कि विपक्ष के लिए विश्वास बहाली और शक्ति प्रदर्शन का अवसर भी है। आने वाले समय में INDIA गठबंधन की सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपने सहयोगी दलों के बीच संतुलन बनाए रखने और साझा रणनीति को जमीन पर उतारने में कितना सफल रहता है। फिलहाल इस बैठक से निकले संदेश और निर्णयों पर पूरे देश की राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पर बढ़ा संकट, पार्टी टूट की अटकलों से सियासी हलचल तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। पार्टी से निष्कासित नेताओं और कई विधायकों की गतिविधियों ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी के भीतर बड़ा संगठनात्मक संकट खड़ा हो सकता है।सूत्रों के अनुसार, टीएमसी से निष्कासित कुछ नेताओं ने दावा किया है कि उनके संपर्क में बड़ी संख्या में विधायक हैं और पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से संगठन की कार्यप्रणाली और चुनावी रणनीति पर सवाल उठाए हैं। इन घटनाओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ममता बनर्जी ने संगठन की विभिन्न इकाइयों और समितियों की समीक्षा शुरू कर दी है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि चुनावी हार के कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है और जल्द ही संगठन में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। पार्टी का दावा है कि यह सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया है और टूट की खबरें विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद टीएमसी पहली बार इतने बड़े दबाव में दिखाई दे रही है। विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी के कई नेताओं का भविष्य अनिश्चित हो गया है और यही असंतोष अब संगठन के भीतर दिखाई दे रहा है। दूसरी ओर भाजपा और अन्य विपक्षी दल लगातार दावा कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में टीएमसी के कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व इन दावों को खारिज कर रहा है। बंगाल की राजनीति में तेजी से बदलते घटनाक्रमों ने राज्य को एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने घोषित किए चार उम्मीदवार
मध्य प्रदेश में तीसरी सीट पर मुकाबला रोचक

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा और कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के लिए चार उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। दो उम्मीदवार कर्नाटक और मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद बनने के दावेदार हैं। वहीं, दो उम्मीदवारों के नाम का ऐलान पार्टी ने कर्नाटक विधान परिषद के लिए किया है। बीजेपी की तरफ से बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने कर्नाटक और मध्य प्रदेश में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव और कर्नाटक के विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए चार नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। मध्य प्रदेश से महेश केवट का नाम राज्यसभा चुनाव के लिए दिया गया है। वहीं, कर्नाटक से प्रो. डॉ. एम नागराजन राज्यसभा उम्मीदवार हैं। कर्नाटक में विधान परिषद चुनाव भी होना है। इसकी लिए भी बीजेपी ने दो उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। इसमें लिंगराज पाटील और रघु कौटिल्य शामिल हैं। बीजेपी उम्मीदवारों के नाम का आधिकारिक ऐलान राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने किया। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन को बीजेपी के महेश केवट के खिलाफ राज्यसभा में उम्मीदवार बनाया है। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से दो सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों की जीत तय है। वहीं, तीसरी सीट के लिए बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा। तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल पहले ही बीजेपी उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा में पर्चा दाखिल कर चुके हैं। मध्यप्रदेश की कुल 230 सदस्यीय विधानसभा में प्रभावी वोटों की संख्या 228 है। इसमें भाजपा के 164 और कांग्रेस के 64 विधायक हैं। हालांकि, कांग्रेस के विधायकों की संख्या 62 पर ही सिमट गई है। क्योंकि, विधायक मुकेश मल्होत्रा के मतदान पर रोक लगी है और बीना से विधायक निर्मला सप्रे के मतदान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, उनका झुकाव भाजपा की तरफ है। अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, मणिपुर और कर्नाटक सहित 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीट के लिए चुनाव 18 जून को होंगे। कर्नाटक विधान परिषद का चुनाव भी 18 जून को होगा। मध्य प्रदेश में एक उम्मीदवार को सांसद बनाने के लिए 58 वोटों की जरूरत है। ऐसे में बीजेपी के दो उम्मीदवारों का जीतना तय है और तीसरे उम्मीदवार को जिताने के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त वोट हैं, लेकिन बीजेपी ने तीसरा उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे मामलों में हमेशा क्रास वोटिंग होने की संभावना रहती है।

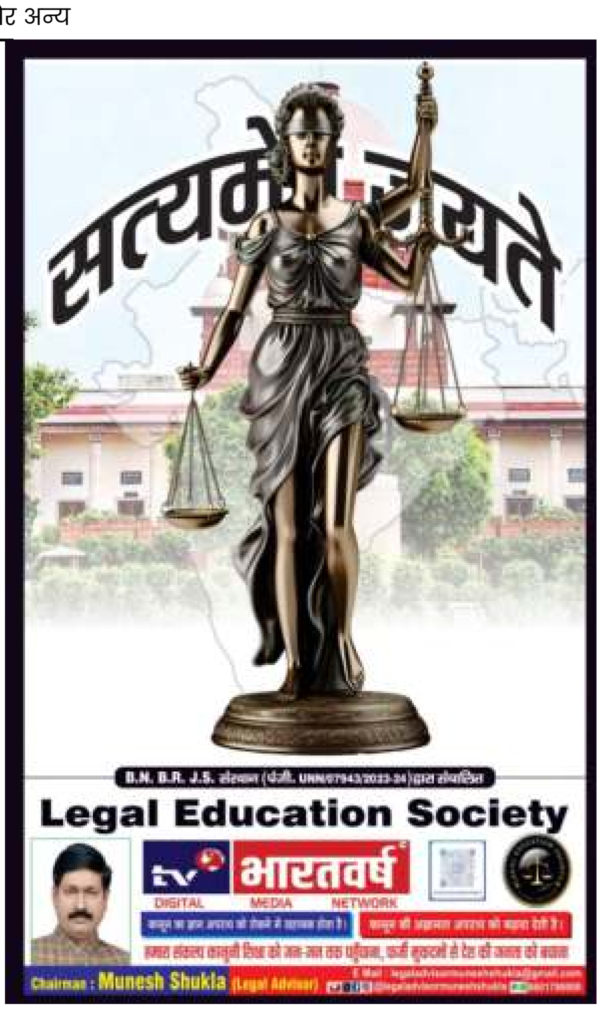

शिक्षा समाचार

NEET पुनर्परीक्षा पर NTA सख्त, फर्जी पेपर लीक दावों को बताया भ्रामक

21 जून को होगी परीक्षा, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 8 जून। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने NEET-UG 2026 की पुनर्परीक्षा को लेकर रविवार को स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर पेपर लीक के जो दावे किए जा रहे हैं, वे पूरी तरह भ्रामक और निराधार हैं। एजेंसी ने अभ्यर्थियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और आधिकारिक जानकारी केवल NTA की वेबसाइट से लेने की अपील की है।

- NTA के निदेशक ने प्रेस वार्ता में कहा कि परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित माहौल में होगी और केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक और AI आधारित निगरानी की जाएगी।
- पुनर्परीक्षा 21 जून को देशभर के 1,563 शहरों में आयोजित की जाएगी।
- एजेंसी ने कहा कि पेपर लीक से जुड़े किसी भी पोस्ट या मैसेज की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।
- अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए एडमिट कार्ड 12 जून से डाउनलोड किए जा सकेंगे।

खास बातें

- ✓ NEET पुनर्परीक्षा: 21 जून
- ✓ कुल केंद्र: 563 शहर
- ✓ एडमिट कार्ड: 12 जून से
- ✓ अफवाहों पर न दें ध्यान: NTA

IIT में नए B.Tech प्रोग्राम, JoSAA काउंसलिंग से पहले छात्रों को बड़ी जानकारी

AI, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस सहित आधुनिक क्षेत्रों के नए पाठ्यक्रम शुरू

नई दिल्ली, 8 जून। देश के प्रमुख IIT संस्थानों ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कई नए B.Tech प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। JoSAA काउंसलिंग 10 जून से शुरू होगी।

- IIT दिल्ली में Artificial Intelligence & Data Science में सीटें बढ़ीं
- IIT बॉम्बे में Semiconductor Engineering का नया कोर्स
- IIT मद्रास में Aerospace Engineering में नई शुरुआत
- IIT कानपुर में Robotics & Automation पर नया पाठ्यक्रम

विशेषज्ञों का मानना है कि ये कोर्स छात्रों को भविष्य की टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में रोजगार के बेहतर अवसर देंगे।

19 वर्षीय चालक किमी एंटोनेली ने मोनाको ग्रां प्री जीतकर इतिहास रच दिया

पीवी सिंधू के पास ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं। पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी

वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा।

रिप्ले ने बढ़ा दी अफगानिस्तान की परेशानी

भारत न्यू चंडीगढ़ के पीसीए स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में बड़ी जीत की ओर बढ़ रहा है। लेकिन, तीसरे दिन पहले सेशन में अफगानिस्तान की पारी के दौरान मोहम्मद सलीम सफी से एक बड़ी गलती हो गई, जो चर्चा का विषय बनी हुई है। मेहमान टीम की एक और डिसीजन रिव्यू सिस्टम (DRS) की इस गलती के बाद उनके डगआउट के पास काफी गर्मा-गर्मी भी देखी गई। तीसरे दिन पांच विकेट पर 113 रन से आगे खेलते हुए अफगानिस्तान की टीम 152 रन पर ढेर हो गई, जिससे भारत को पहली पारी में 412 रन की बड़ी बढ़त मिली। अफगानी टीम को इतने सस्ते में निपटाने में डेब्यू कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने 22 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। भारत ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन पर घोषित की थी और उसने अफगानिस्तान को फॉलो-ऑन देने में ज्यादा समय नहीं लिया। दरअसल, ड्रामा 58वें ओवर में तब शुरू हुआ, जब मानव सुथार ने नंबर 10 के बैट्समैन मोहम्मद सलीम सफी को एलबीडब्ल्यू आउट करने के लिए जोरदार अपील की। मैदानी अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने तुरंत अपनी उंगली उठा दी। सफी शुरू में फैसले को चुनौती देने के लिए तैयार दिखे। लेकिन, फिर अचानक बल्लेबाज बिना रिव्यू लिए पवेलियन वापस जाने लगा। इसके कुछ देर बाद सफी को डगआउट के पास टीम के साथियों और सपोर्ट स्टाफ के साथ तीखी बहस करते देखा गया। कैमरों ने ऐसी चर्चाओं को रिकॉर्ड किया, जिनसे पता चलता है कि सवाल पूछे जा रहे थे कि बल्लेबाज ने डीआरएस क्यों नहीं लिया? जबकि वह ऐसा करने में दिलचस्पी दिखा रहा था। बॉल-ट्रैकिंग से बाद में पता चला कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी, जिसका मतलब था कि अगर सफी ने रिव्यू लिया होता तो मैदानी अंपायर का फैसला पलट दिया जाता। हालांकि गेंद स्टंप के सामने लगी थी, लेकिन पिचिंग के पॉइंट ने आउट को गलत बना दिया, जिससे सुथार को किस्मत का साथ मिला और अफगानिस्तान को एक डीआरएस सबक मिला।

सूर्यकुमार यादव ने 32 बॉल पर ठोक दिए नाबाद 72 रन

सूर्यकुमार यादव से ना केवल टीम इंडिया की कप्तानी छीन ली गई है, बल्कि उन्हें टीम से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इस बीच सूर्या इस वक्त टी20 मुंबई लीग में खेल रहे हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक तूफानी पारी आई। वे उसी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नजर आए, जिसके लिए जाने और पहचाने जाते हैं। उन्होंने 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और आखिर तक आउट भी नहीं हुए। इस वक्त टी20 मुंबई लीग का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सूर्यकुमार यादव भी खेल रहे हैं। सोमवार को एमएससी मराठा रॉयल्स और ट्रायम्फ नाइट्स MNE के बीच मैच खेला गया। मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी एमएससी मराठा रॉयल्स की टीम अपने कोटे के पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 19.5 ओवर में केवल 152 रन बनाकर ही आउट हो गई। जवाब में ट्रायम्फ नाइट्स MNE ने केवल 16 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर ही दिया गया लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। मैच के दौरान सूर्यकुमार यादव की तूफानी पारी दिखाई दी। सूर्या नंबर चार खेलने के लिए उतरे और 36 बॉल पर ही 72 रन ठोक दिए। उन्होंने 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 13 चौके और एक छक्का आया। सूर्या ने अपनी टीम को जीत दिलाई और आखिर तक नाबाद रहे। नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतरे नूतन कुमार गोयल ने भी 42 बॉल पर 56 रन बनाए। उन्होंने चार चौके और तीन छक्के लगाए। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में ही टीम इंडिया ने इसी साल मार्च में आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। हालांकि पूरे टूर्नामेंट के दौरान सूर्या का बल्ला नहीं चला। कई बार तो वे एक एक रन के लिए भी तरसते हुए नजर आए। इसके बाद जब आईपीएल का आगाज हुआ तो वहां भी सूर्या

संघर्ष करते हुए दिखे। इसके बाद ही लगने लगा था कि अब सूर्या के लिए टीम में जगह बना पाना मुश्किल होगा।

इस बीच बीसीसीआई ने आयरलैंड और इंग्लैंड के बीच होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया। इसमें सूर्यकुमार यादव का नाम नहीं था।

16.24 करोड़ की ठगी केस में बड़ा एक्शन

जावेद जाफ़री परिवार की शिकायत पर BMC अधिकारी निलंबित

बांद्रा रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में निवेश के नाम पर कथित धोखाधड़ी, जांच तेज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता जावेद जाफरी और उनके परिवार के साथ कथित तौर पर 16.24 करोड़ रुपये की ठगी के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अभिनेता की पत्नी हबीबा जाफरी की शिकायत के बाद बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 'के-नॉर्थ' वार्ड के सहायक नगर आयुक्त महेश पाटिल को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई बांद्रा पुनर्विकास परियोजना से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले के आरोपों के बाद की गई है।

निलंबित अधिकारी
महेश पाटिल

पुलिस के अनुसार, हबीबा जाफरी ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें और उनके परिवार को बांद्रा स्थित एक पुनर्विकास परियोजना में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि परियोजना को लाभकारी बताने के लिए जाली सरकारी दस्तावेज तैयार किए गए और उन्हें असली बताकर निवेशकों को दिखाया गया। इसी आधार पर जावेद जाफरी, उनके भाई नावेद जाफरी तथा अन्य रिश्तेदारों ने करोड़ों रुपये का निवेश किया।

क्या है पूरा मामला?

- हबीबा जाफरी ने बांद्रा पुनर्विकास प्रोजेक्ट में निवेश के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाया
- जाली दस्तावेजों के जरिए परियोजना को फायदेमंद बताया गया
- चेक, नकद, विदेशी मुद्रा और महंगी घड़ियों के रूप में 16.24 करोड़ रुपये की वसूली
- व्यवसायी निहित पटेल गिरफ्तार, 19 मई तक पुलिस हिरासत में

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने निवेशकों से चेक, नकद राशि, विदेशी मुद्रा और महंगी घड़ियों के रूप में करीब 16.24 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस मामले में व्यवसायी निहित पटेल को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि परियोजना के नाम पर निवेशकों को गुमराह किया गया और धनराशि का उपयोग कथित तौर पर निजी लाभ के लिए किया गया।

महेश पाटिल का नाम सामने आने के बाद बीएमसी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष

[illegible] से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी उन्हें इसी परियोजना से जुड़े कथित अनुचित निवेश मामलों के कारण एक महीने की अनिवार्य छुट्टी पर भेजा गया था। हालांकि उस समय उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया था। फिलहाल आर्थिक अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस मामले की संयुक्त जांच कर रही है। फिल्म उद्योग और कारोबारी जगत में इस घटना को लेकर काफी चर्चा है। यदि आरोप साबित होते हैं तो यह मुंबई के हालिया वर्षों के बड़े निवेश धोखाधड़ी मामलों में शामिल हो सकता है।

'रामायण' सिर्फ फिल्म नहीं, भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सपना : काजल अग्रवाल

4000 करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ा उत्साह, तकनीकी स्तर पर नए कीर्तिमान का दावा

मुंबई। निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। इस महाप्रोजेक्ट में भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर, माता सीता के रूप में साई पल्लवी और रावण के किरदार में यश दिखाई देंगे। फिल्म में मंदोदरी की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने हाल ही में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें साझा की हैं।

फिल्म से जुड़ी खास बातें

- 'रामायण' 2 भागों में बनाई जा रही है
- कुल बजट करीब 4000 करोड़ रुपये
- रणबीर कपूर होंगे भगवान राम
- साई पल्लवी बनेंगी माता सीता
- यश निभाएंगे रावण का किरदार
- सनी देओल होंगे भगवान हनुमान
- रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में
- अरुण गोविल होंगे राजा दशरथ

★ काजल अग्रवाल का कहना है कि 'रामायण' उनके करियर के सबसे विशेष अनुभवों में से एक है। उनके अनुसार यह केवल एक फिल्म नहीं बल्कि भारतीय सिनेमा की तकनीकी क्षमता और रचनात्मक दृष्टि का सबसे बड़ा उदाहरण बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस स्तर की तैयारी और तकनीकी प्रयोग पहले भारतीय फिल्मों में बहुत कम देखने को मिले हैं।

फिल्म की पहली झलक हाल ही में जारी की गई थी, जिसे दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। जहां एक ओर प्रशंसकों ने रणबीर कपूर और यश के लुक की सराहना की, वहीं कुछ लोगों ने विजुअल इफेक्ट्स और कास्टिंग को लेकर सवाल भी उठाए। हालांकि निर्माताओं का कहना है कि अभी दर्शकों ने फिल्म का बहुत छोटा हिस्सा देखा है और अंतिम प्रस्तुति कहीं अधिक भव्य होगी।

हॉलीवुड के एक सीन ने उड़ा दी 'कौन' की यादें, उर्मिला मातोंडकर के अभिनय की फिर हुई तारीफ

राम गोपाल वर्मा की पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर पुरानी यादें हुई ताजा

मुंबई। बॉलीवुड में कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो रिलीज होने के सालों बाद भी दर्शकों के दिलों और दिमाग पर अपनी छाप छोड़ती हैं। साल 1999 में आई साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'कौन' ऐसी ही एक फिल्म मानी जाती है। अब एक बार फिर यह फिल्म चर्चा में आ गई है और इसकी वजह बने हैं निर्देशक राम गोपाल वर्मा।

कौन (1999) में उर्मिला मातोंडकर का सीन

ऑब्सेशन (2023) का वायरल सीन

एक वायरल वीडियो से शुरू हुई चर्चा

हाल के दिनों में हॉरर-थ्रिलर फिल्म 'ऑब्सेशन' का एक सीन इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ। इस सीन में अभिनेत्री इंडे नवारेट एक साधारण डिनर डेट के दौरान अचानक अपने चेहरे के भाव बदलती नजर आती हैं। उनके एक्सप्रेशन में आया ये बदलाव दर्शकों को हैरान कर रहा है और सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है।

> **Ram Gopal Varma** @RGVzoomin
>
> कल रात ऑब्सेशन की ये क्लिप देखी। इंडे नवारेट का अचानक बदलता एक्सप्रेशन देख कर उर्मिला मातोंडकर याद आ गई। कितना शानदार अभिनय था उन्होंने 'कौन' में!

ऑब्सेशन का नहीं कम हो रहा क्रेज

जहां एक तरफ 'कौन' को लेकर पुरानी यादें ताजा हो रही हैं, वहीं 'ऑब्सेशन' भी हॉरर प्रशंसकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। युवा निर्देशक करी बाकेर द्वारा निर्देशित इस लो-बजट साइकोलॉजिकल थ्रिलर ने अपने डरावने माहौल और कलाकारों के प्रदर्शन से लोगों का ध्यान खींचा है। खासकर इंडे नवारेट के अभिनय की चर्चा सोशल मीडिया पर लगातार बढ़ रही है।

उर्मिला के अभिनय की फिर हुई तारीफ

राम गोपाल वर्मा की पोस्ट सामने आते ही फैंस ने उर्मिला मातोंडकर की जमकर सराहना शुरू कर दी। कई यूजर्स का कहना था कि उर्मिला ने जिस तरह अपने चेहरे के भावों से डर और रहस्य को एक साथ दिखाया, वो आज भी कई एक्सप्रेशन्स नहीं कर सकती हैं। कुछ लोगों ने लिखा कि बचपन में ये फिल्म देखने के बाद वो लंबे समय तक उस सीन को भूल नहीं पाए थे। वहीं कई दर्शकों का मानना है कि 90 के दशक की हॉरर फिल्मों में कहानी, अभिनय और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, जबकि आजकल की कई फिल्मों में तकनीक और विजुअल इफेक्ट्स पर अधिक निर्भरता दिखाई देती है।

क्यों कल्ट क्लासिक बनी 'कौन'?

'कौन' अपने समय की सबसे अलग थ्रिलर फिल्मों में शामिल रही है। फिल्म में उर्मिला मातोंडकर के साथ मनोज बाजपेयी और सुशांत सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। सीमित किरदारों और एक ही लोकेशन पर आधारित होने के बावजूद फिल्म ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा था। समय के साथ इस फिल्म ने कल्ट क्लासिक का दर्जा हासिल कर लिया। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे बाद में अन्य भाषाओं में भी प्रस्तुत किया गया और इसके आधार पर रीमेक भी बनाए गए।

INDIA गठबंधन बैठक में दिखी राहुल-अखिलेश की नजदीकी यूपी चुनाव और भाजपा घेरने की रणनीति पर मंथन

लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी INDIA गठबंधन अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी चुनावों की रणनीति तैयार करने में जुटा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए सपा और कांग्रेस के बीच संभावित गठबंधन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली में आयोजित INDIA ब्लॉक की बैठक में विपक्षी दलों ने साझा मुद्दों पर एकजुटता दिखाते हुए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सोमवार को दिल्ली में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उनके और राहुल गांधी के बीच काफी गर्मजोशी नजर आई। दोनों नेता नजदीक ही बैठे थे। बैठक के बाद कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच अगले साल होने वाले यूपी चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। अखिलेश यादव पहले भी यूपी में कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का संकेत दे चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने बैठक के बाद मुलाकात की और आगे की तैयारियों पर चर्चा की। यूपी चुनाव में अब कुछ ही महीने का समय बचा है ऐसे में सीटों के बंटवारे को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस के मिलकर लड़ने से भाजपा को यूपी में तगड़ा झटका लगा था और केंद्र में तीसरी बार पूर्ण बहुमत से भाजपा का सरकार बनाने का सपना पूरा नहीं हो सका था। ऐसे में यूपी में इंडिया गठबंधन को भाजपा के लिए कड़ी चुनौती माना जा रहा है। सपा-कांग्रेस की कोशिश रहेगी कि यूपी में भाजपा को तीसरी बार सत्ता में आने से रोका जा सके।सोमवार को दिल्ली में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक में निर्णय लिया गया कि विपक्षी दल अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाएंगे। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गठबंधन पांच बड़े मुद्दों पर एकमत हुआ है और आने वाले समय में सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरने की तैयारी की जाएगी। खरगे ने साफ कहा कि हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे। बैठक में करीब 25 विपक्षी दलों ने हिस्सा लिया। खरगे ने नीट पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां लाखों छात्रों की मेहनत और उम्मीदों को बर्बाद कर रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर इंडिया ब्लॉक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मॉनसून सत्र में भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगा और छात्रों के साथ न्याय की मांग करेगा। - महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक स्थिति के मुद्दे को देशभर में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा।

- नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा जाएगा और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग जारी रहेगी।
- विपक्षी गठबंधन मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया और मतदान अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाएगा।
- इंडिया ब्लॉक की बैठक अब हर दो महीने में होगी। अगली बैठक आठ अगस्त को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी

परीक्षा देने जा रही युवतियों के साथ की गंदी हरकत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ से सिपाही भर्ती परीक्षा देने रायबरेली जा रहीं दो युवतियों को सोमवार तड़के ऑटो चालक हसीब सुनसान जगह पर ले गया और छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने एक युवती को बाल पकड़कर पीटा। शोर मचाने पर राहगीर मदद के लिए दौड़ा तो आरोपी भाग निकला। बताया गया कि आरोपी हसीब मूल रूप से हरदोई के कछौना का रहने वाला है। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू की। देर रात पता चला कि आरोपी पारा थाना क्षेत्र के मुन्नूखेड़ा के पास मौजूद है। पुलिस पहुंची और मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित के मुताबिक, दोनों अभ्यर्थी लखीमपुर खीरी से ट्रेन से चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंची थीं। वहां से वे आलमबाग बस अड्डे के लिए ऑटो में बैठीं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि शॉर्टकट का बहाना बनाकर चालक उन्हें पारा के डॉक्टरखेड़ा ले गया। वहां उसने दोनों के साथ छेड़छाड़ की। शोर मचाने पर राहगीर को आता देख आरोपी ऑटो लेकर मौके से भाग गया। पुलिस दोनों को परीक्षा दिलाने रायबरेली ले गई। मौके पर पहुंची पारा पुलिस को युवतियों ने परीक्षा में देरी होने की बात कही। पुलिस उन्हें अपने साथ रायबरेली परीक्षा केंद्र तक ले गई। परीक्षा देकर लौटने के बाद युवतियों ने पारा थाने में आरोपी ऑटो चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

पति ने पत्नी की चाकू मार कर हत्या कर दी जिससे मौके पर महिला की मौत हो गई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सोमवार दोपहर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। घर के फर्श पर महिला का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। घटना के बाद आरोपी पति ने जहर खा लिया। जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक आजाद नगर निवासी जितेंद्र प्रताप सिंह (55) ने किसी बात को लेकर अपनी पत्नी मोनिका सिंह (47) पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में मोनिका की मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव घर के एक कमरे में पड़ा मिला। घटना के बाद आरोपी पति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान उसकी हालत बिगड़ने पर चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। डॉक्टरों ने आशंका जताई कि उसने किसी विषाक्त (जहरीला) पदार्थ खा लिया। इसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मृतका के बड़े बेटे अंशुमान सिंह की तहरीर पर माल थाने में आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। डीसीपी नॉर्थ ट्विंकल जैन ने बताया सोमवार दोपहर माल थाने पर सूचना मिली कि जितेंद्र

नाम के युवक ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बेटे से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है। आरोपी जितेन्द्र प्रताप सिंह के पिता चन्द्रभान सिंह माल थाने में दीवान के पद पर तैनात रहे हैं और अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मृतका के परिवार में दो बेटे और एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। मृतका की बहन और भाई ने रोते हुए कहा कि बहन के घर वालों को पैसे का बहुत घमंड है।

सीएम योगी ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में हिस्सा लिया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए लोगों से उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। एक बच्ची ने मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने लखनऊ के किसी संस्थान में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। पुलिस की अनसुनी व अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर सख्त सीएम योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया। लखनऊ की एक बच्ची अपनी बूढ़ी मां के साथ पहुंची। उसने बताया कि इंटरमीडिएट अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है, लेकिन धन के अभाव में दिक्कत हो रही है। सीएम योगी ने उसकी मार्कशीट देखी, फिर कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। सकारात्मक संदेश पाकर प्रफुल्लित बेटी व मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने मुख्यमंत्री से पुलिस की हीलाहवाली व अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न होने की शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। सीएम ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया। कुछ फरियादी ऐसे भी आए, जो सीधे 'जनता दर्शन' में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि आपने जनपद के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर कुछ फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है।

योग दिवस के उपलक्ष्य में जगदंबा योग वेलफेयर सोसाइटी की ओर से जल योग का प्रदर्शन किया गया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गोमतीनगर के विनयखंड स्थित एक भवन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जगदंबा योग वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सोमवार को जल योग का प्रदर्शन किया गया। इसमें दिव्यांग, महिला और वरिष्ठ और वंचितों ने किया जल योग कर अच्छी सेहत रखने का संदेश दिया। जल के बीच अद्भुत शारीरिक संतुलन, एकाग्रता और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए जल योग के जटिल आसनों का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में हनुमंत धाम के महंत रामसेवक दास महाराज और कुमकुम राय चौधरी इसमें शामिल हुए। जल योग प्रशिक्षक रोमा हेमवानी ने जल योग का महत्व समझाया। कहा कि जल की सौम्यता, तरलता मानसिक एवं भावनात्मक बल देती है। उन्हें कठिन आसन भी सहजता से करने में मदद करती है और स्वास्थ्य वर्धन होता है।

सहारा समूह ने कार्रवाई गलत बताते हुए हाईकोर्ट में चुनौती दी

प्रदेश सरकार की लखनऊ में सहारा शहर की जमीन पर नए विधानभवन कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना है। इसके तहत इस जमीन पर नया विधानसभा भवन, सचिवालय, मुख्यमंत्री आवास और अन्य सरकारी कार्यालय बनाए जाएंगे। इसके लिए 245 एकड़ जमीन चिह्नित हुई है। इसमें नगर निगम द्वारा सहारा शहर के लिए दी गई 170 एकड़ और लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की 75 एकड़ जमीन शामिल है। इस योजना पर काम भी शुरू हो गया है। LDA ने कंसल्टेंट और आर्किटेक्ट चयन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन सबके बीच मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। सहारा इंडिया कॉमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) और लखनऊ नगर निगम को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने सभी पक्षों को 31 जुलाई 2026 तक जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट में यूपी सरकार, एलडीए और नगर निगम के जवाब के बाद ही आगे की स्थिति साफ होगी। सहारा शहर की करीब 170 एकड़ जमीन नगर निगम ने वर्ष 1994 में सहारा समूह को लीज पर दी थी। शर्त थी कि यहां आवासीय कॉलोनी विकसित की जाएगी और बड़ी जमीन पर ग्रीन एरिया रखा जाएगा। नगर निगम का आरोप है कि लीज की

शर्तों का पालन नहीं हुआ। निर्धारित उपयोग के बजाय परिसर में कई बड़े निर्माण किए गए और नियमों का उल्लंघन हुआ। इसी आधार पर नगर निगम ने 8 सितंबर 2025 को लीज रद्द कर दी और 11 सितंबर को जमीन खाली कराकर कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसके बाद नगर निगम ने सहारा शहर के गेट सील कर दिए और परिसर का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया। सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने नगर निगम की कार्रवाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में चुनौती दी थी। कंपनी का कहना था कि 2 सितंबर 2017 को एक आर्बिट्रेशन मामले में इसी जमीन को लेकर उसके पक्ष में फैसला आया था। वह लीज का नवीनीकरण कराने के लिए निर्धारित राशि जमा करने को भी तैयार थी, लेकिन नगर निगम ने उस आदेश की अनदेखी करते हुए लीज समाप्त कर दी। हालांकि, 22 अप्रैल 2026 को हाईकोर्ट ने याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया।

उन्नाव पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशीलता से छात्रा समय पर पहुंची परीक्षा केंद्र, भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने का मिला अवसर

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान जनपद उन्नाव पुलिस द्वारा मानवीय संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक अभ्यर्थी की समय रहते सहायता की गई, जिससे वह निर्धारित समय पर अपने परीक्षा केंद्र पहुंचकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकी। दिनांक 08 जून 2026 को पुलिस भर्ती परीक्षा देने हेतु लखनऊ निवासी अभ्यर्थी कु0 उमा देवी जनपद उन्नाव पहुंची थीं। उनका परीक्षा केंद्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, नवाबगंज निर्धारित था। किंतु जानकारी के अभाव में वह भ्रमवश राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मोती नगर, उन्नाव पहुंच गई। वहां पहुंचने पर उन्हें ज्ञात हुआ कि उनका वास्तविक परीक्षा केंद्र लगभग 20 किलोमीटर दूर नवाबगंज में स्थित है तथा परीक्षा प्रारम्भ होने में अत्यंत कम समय शेष है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीआरवी-9398 पर तैनात हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र यादव एवं कांस्टेबल सौरभ द्वारा तत्काल मानवीय संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए अभ्यर्थी को पीआरवी वाहन से सुरक्षित एवं शीघ्रता से उसके वास्तविक परीक्षा केंद्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, नवाबगंज पहुंचाया गया। पुलिस की त्वरित सहायता के फलस्वरूप अभ्यर्थी निर्धारित समय के भीतर परीक्षा केंद्र पहुंचकर परीक्षा में सम्मिलित हो सकी।परीक्षा केंद्र पहुंचने के उपरांत अभ्यर्थी कु0 उमा देवी द्वारा उन्नाव पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस की समय पर सहायता मिलने से उन्हें एक महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। उक्त सराहनीय कार्य की परीक्षा केंद्र पर उपस्थित अभ्यर्थियों, अभिभावकों एवं आमजन द्वारा भी प्रशंसा की गई तथा इसे जनसेवा एवं "गुड पुलिसिंग" का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया। उन्नाव पुलिस द्वारा प्रदर्शित यह संवेदनशीलता एवं सेवा भाव पुलिस एवं जनता के मध्य विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने का कार्य करता है।

दोस्तीनगर पुलिया निर्माण के लिए रोका शारदा नहर का पानी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। हरदोई-उन्नाव राज्यमार्ग पर दोस्तीनगर में शारदा नहर पर निर्माणाधीन पुलिया के एक माह से बंद पड़े कार्य को दोबारा शुरू कराने के लिए अब पानी रोका गया है। पीडब्ल्यूडी को पुलिया निर्माण के लिए शटरिंग लगाने को पानी सूखने का इंतजार है। पीडब्ल्यूडी शारदा नहर पर 1.93 करोड़ से 12 मीटर चौड़ी और 25 मीटर लंबी पुलिया का निर्माण करा रहा है। पांच मई को नहर में पानी आने से पुलिया निर्माण बंद हो गया था। नहर में सरिया का जाल खड़ा है। अब शारदा नहर में पानी रोका गया है। हालांकि काम शुरू कराने की स्थितियां अभी भी नहीं बनी हैं। लोक निर्माण विभाग पानी सूखने का इंतजार कर रहा है। एक्सईएन निर्माणखंड सुबोध कुमार ने बताया कि नहर में पानी रोक दिया गया है। शटरिंग लगाने के लिए ठोस जमीन चाहिए। इसलिए पानी सूखने का इंतजार किया जा रहा है। एक सप्ताह में दोबारा काम शुरू होने की उम्मीद है।

किसान आंदोलन की सभा में जन सत्याग्रह को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान

उन्नाव के मुस्तफापुर गांव में आयोजित किसान आंदोलन की सभा में प्रदेश अध्यक्ष अजय अनमोल ने किसानों, महिलाओं और युवाओं से भेदभाव के खिलाफ जन सत्याग्रह को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की जनता के लिए अन्य राज्यों की तर्ज पर 300 यूनिट मुफ्त बिजली, महिलाओं को 3000 रुपये और बेरोजगार युवाओं को 4000 रुपये प्रतिमाह सहायता देने की मांग की। अजय अनमोल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्नाव अन्याय और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष की ऐतिहासिक परंपरा वाला क्षेत्र है। उन्होंने जन सत्याग्रह को किसी संगठन विशेष का नहीं, बल्कि जनता की संगठित आवाज बताया, जो समान अधिकार और सुविधाओं की मांग कर रही है। अनमोल ने जोर दिया कि उत्तर प्रदेश की जनता भी देश के अन्य राज्यों में मिल रही सभी योजनाओं और लाभों की हकदार है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना प्रत्येक व्यक्ति का स्वाभाविक अधिकार है। अनमोल के अनुसार, सत्याग्रह और आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जिनके जरिए जनता अपनी मांगों और समस्याओं को शासन तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ असमान व्यवहार होने पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक है। अनमोल ने बताया कि देश के कई राज्यों में मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता और युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता जैसी योजनाएं पहले से ही लागू हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में उत्तर प्रदेश की जनता भी समान सुविधाओं की अपेक्षा रखती है। उनके अनुसार, 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा तभी सार्थक होगी जब सभी राज्यों और वर्गों को समान अवसर और सुविधाएं मिलें। सभा में अजय अनमोल ने ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से प्रभावित किसानों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ हुए समझौते के अनुसार निशुल्क प्लॉट आवंटन में हो रही देरी अस्वीकार्य है। उन्होंने मांग की कि सभी पात्र किसानों को दो माह के भीतर प्लॉट आवंटित किए जाएं, अन्यथा इस मुद्दे पर व्यापक जन सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उन्नाव के गंगाघाट क्षेत्र में चोरी की घटनाएं फिर बढ़ रही

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के गंगाघाट क्षेत्र में चोरी की घटनाएं एक बार फिर बढ़ रही हैं। सोमवार को चोरों ने एक बिल्डर के कार्यालय को निशाना बनाया और लगभग दो लाख रुपये का सामान चुरा लिया। यह घटना पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठा रही है, खासकर तब जब हाल ही में गगनीखेड़ा में हुई चोरी का खुलासा नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार, फत्तेखेड़ा विसर्जन स्थल झील के पास स्थित आश्रुति बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के कार्यालय में चोरी हुई। सोमवार सुबह जब कार्यालय संचालक वहां पहुंचे, तो शटर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर का सामान बिखरा पड़ा था और कई कीमती उपकरण गायब थे। पीड़ित जय सिंह यादव, निवासी अंबिकापुरम, शुक्लागंज ने बताया कि अज्ञात चोर रात में शटर का ताला तोड़कर कार्यालय में घुस गए। चोरों ने सोलर पैनल, सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, समर्सिबल पंप, इन्वर्टर, बैटरी, एलईडी टीवी, पंखा, इंडक्शन चूल्हा और गैस सिलेंडर सहित अन्य सामान चुरा लिया। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये है। घटना की सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। डायल-112 पीआरवी टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पीड़ित से जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। गौरतलब है कि 6 जून को भी गंगाघाट क्षेत्र के गगनीखेड़ा गांव में सुनीता पत्नी विनोद निषाद के घर चोरी हुई थी। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। कोतवाली गंगाघाट प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

24 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर के आदर्श नगर मोहल्ले में पिछले 24 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण लोगों ने सोमवार रात करीब 9:30 बजे सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। मोहल्लेवासियों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी भी की।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि 24 घंटे से बिजली बाधित होने से पेयजल, घरेलू कार्य और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। भीषण गर्मी के बीच बिजली न मिलने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली विभाग से कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिससे मोहल्लेवासियों का आक्रोश बढ़ गया। उन्होंने तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की।

जाम की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ और स्थिति सामान्य हो गई।

मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो वे और बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

पोखरी ग्रामसभा में सोमवार को एक नवनिर्मित बारातशाला का उद्घाटन किया गया

उन्नाव के भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र की पोखरी ग्रामसभा में सोमवार को एक नवनिर्मित बारातशाला का उद्घाटन किया गया। विधायक आशुतोष शुक्ला ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस बारातशाला का निर्माण विधायक निधि से किया गया है, जिससे ग्रामीणों को मांगलिक और सामाजिक आयोजनों के लिए एक नई सुविधा मिली है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक आशुतोष शुक्ला ने बताया कि बारातशाला का निर्माण स्थानीय ग्रामीणों के प्रस्ताव पर और उनकी सीधी देखरेख में पूरा हुआ है। उन्होंने जोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे संसाधनों के विकास से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को अपने पारिवारिक आयोजन सम्मानपूर्वक संपन्न करने में सहायता मिलेगी। यह बारातशाला आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके बनने से अब ग्रामीणों को शादी-विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों ने विधायक के इस जनोपयोगी कार्य की सराहना की। इस अवसर पर बैजनाथ सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेश बाजपेयी, जुगुल मिश्रा, आशीष अवस्थी 'सानू' और बबुवन जी सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध वर्ग और ग्रामवासी मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने इस विकास कार्य के लिए विधायक आशुतोष शुक्ला का आभार व्यक्त किया।

अयोध्या में STF की बड़ी कार्रवाई:
कुख्यात अपराधी भानु प्रताप सिंह मुठभेड़ में ढेर

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, भानु प्रताप सिंह एक हार्डकोर अपराधी था, जिसकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी। वह लगातार अपना ठिकाना बदलता रहता था और पुलिस की गिरफ्त से बचता आ रहा था। चार जिलों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उसकी आपराधिक गतिविधियों के चलते पूर्वांचल के कई जिलों में उसका आतंक माना जाता था।

उत्तर प्रदेशस्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने प्रदेश के कुख्यात अपराधी भानु प्रताप सिंह उर्फ बबलू को मुठभेड़ में मार गिराया है। इस कार्रवाई की पुष्टि खुद ADG लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने की है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ अयोध्या जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र में रविवार देर रात हुई। भानु प्रताप सिंह लंबे समय से पुलिस की वांछित सूची में शामिल था और उसके खिलाफ हत्या, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, डकैती, रंगदारी समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज थे। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 11 बजे STF के निरीक्षक जेपी राय ने महाराजगंज पुलिस को सूचना दी कि एमी घाट के पास बदमाशों से मुठभेड़ चल रही है और अतिरिक्त पुलिस बल की जरूरत है। सूचना मिलते ही महाराजगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पता चला कि मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों की STF टीम से आमने-सामने मुठभेड़ हो गई थी। मुठभेड़ के दौरान हुई जवाबी फायरिंग में भानु प्रताप सिंह उर्फ बबलू को गोली लग गई। गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस और S T F की टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मुठभेड़ में घायल होने के बाद भानु प्रताप सिंह को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस बुलवाई गई। हालांकि, समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके बाद STF के जवान ही उसे अपने वाहन से अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे दर्शननगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। दर्शननगर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान भानु प्रताप सिंह की मौत हो गई। डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी हालत बेहद गंभीर थी। मौत की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। भानु प्रताप सिंह उर्फ बबलू गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र के विखानपुर गांव का निवासी था। वह लंबे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था और पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी, डकैती और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े करीब 40 मुकदमे विभिन्न जिलों में दर्ज बताए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, भानु प्रताप सिंह एक हार्डकोर अपराधी था, जिसकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी। वह लगातार अपना ठिकाना बदलता रहता था और पुलिस की गिरफ्त से बचता आ रहा था। चार जिलों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उसकी आपराधिक गतिविधियों के चलते पूर्वांचल के कई जिलों में उसका आतंक माना जाता था। मुठभेड़ के दौरान भानु प्रताप सिंह का एक साथी मौके से भाग निकलने में सफल रहा। पुलिस का कहना है कि उसकी पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल STF और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

अवैध निर्माण के खिलाफ दूसरे दिन भी बुलडोजर एक्शन जारी रहा

संभल में अवैध निर्माण के खिलाफ दूसरे दिन भी बुलडोजर एक्शन जारी रहा। यहां नखासा थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बनी मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ढहा दिया है। मस्जिद के आगे के हिस्से और 55 फीट ऊंची मीनार को क्रेन से खींचकर तोड़ गिया गया है। दो दिनों में अवैध मस्जिद का 70 फीसदी हिस्सा ढहाया जा चुका है। अवैध मस्जिद को ध्वस्त करने की कार्रवाई के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। बुलडोजर एक्शन के दौरान मौके पर 5 थानों की पुलिस और PAC के 60 जवान तैनात हैं। यह मस्जिद अवैध रूप से कब्रिस्तान की जमीन के एक हिस्से पर बनाई गई थी। संभल जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने बताया कि जनपद में सार्वजनिक जमीन पर अवैध कब्जे लगातार हटाए जा रहे हैं। इसी क्रम में कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर एक शिकायत मिली थी। DM ने बताया कि तहसीलदार कोर्ट ने एक नोटिस जारी करके अवैध कब्जे को हटाने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में अपील दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि मस्जिद सार्वजनिक जमीन पर बनी थी और अवैध थी। इसलिए इसे गिराना जरूरी था। DM अंकित खंडेलवाल ने कहा- कानूनी प्रक्रिया के तहत अवैध निर्माण को गिराया जा रहा है। हम डिमोलिशन की कार्रवाई कर रहे हैं। हमने निरीक्षण किया और कुछ पोस्टर पाए हैं। उनमें से एक पर 'आई लव मोहम्मद' लिखा था। कुछ झंडे भी मिले हैं, आगे की जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भी पुष्टि की कि पुलिस को घटनास्थल पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर और कुछ झंडे मिले हैं। उन्होंने कहा कि हम देखेंगे कि ये झंडे किसी देश या धर्म का प्रतिनिधित्व करते हैं या नहीं और इन्हें छपवाने में शामिल लोगों के बारे में भी जांच करेंगे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर सियासी संग्राम: अखिलेश के आरोपों पर चंपत राय की सफाई, फिर हुआ पलटवार

उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर एक विवाद सामने आया है। समाजवादी पार्टी (SP) के मुखिया अखिलेश यादव ने राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए करोड़ों रुपये के गबन की बात कही है। वहीं, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे रूटीन ऑडिट बताया, तो फिर इस पर अखिलेश यादव ने पलटवार कर दिया। मंदिर ट्रस्ट पर उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को खुद इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए। अखिलेश यादव ने लिखा कि सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था है। मंदिर ट्रस्ट के लिए शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। अखिलेश यादव के अटैक पर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि ट्रस्ट का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता है। इस काम में ट्रस्ट और बैंक के प्रतिनिधि रहते हैं। ऑडिट कई दिन तक चलता है, वही काम आजकल हो रहा है। अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

चंपत राय की सफाई पर अखिलेश यादव ने फिर पलटवार किया है। एक्स पर पोस्ट में लिखा स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है। लगता है ये इनके लिए हर हफ्ते की साधारण बात है। चेहरे के भाव और देह की भाषा हताशा और निराशा से भरी है। अयोध्या से सपा के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने दावा किया कि 5 से साढ़े 7 करोड़ तक की चोरी की गई है। अगर चोरी नहीं हुई है, तो ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय सामने आएं और प्रभु श्रीराम की कसम खाकर कहें कि आरोप झूठे हैं। अगर बात सच है तो एफआईआर करवाएं। बता दें कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर सहित अन्य सभी मंदिरों के सामने और पूरे दर्शन मार्ग पर अलग-अलग जगहों पर चार दर्जन दानपात्र रखवाए हैं। रामलला व अन्य देवों का दर्शन कर श्रद्धालु इन दान पेटिकाओं में इच्छानुसार नकद धनराशि अर्पित करते हैं। चढ़ावे की इस धनराशि को हर रोज एकत्रित कराकर ट्रस्ट की ओर से गिनती कराई जाती है। इसके लिए ट्रस्ट ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को अधिकृत किया है।

पीड़िता का आरोप है कि कथावाचक ने उसे शादी का झांसा दिया

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र से एक चर्चित कथावाचक से जुड़ा मामला सामने आया है। यहां के एक प्रसिद्ध कथावाचक पवन देव महाराज पर बिहार की रहने वाली एक युवती ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कथावाचक और उसके पिता के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता मूल रूप से बिहार के सिवान जिले की रहने वाली है। पुलिस को दी गई शिकायत में युवती ने आरोप लगाया है कि कथावाचक पवन देव महाराज ने शादी का झांसा दिया और एक मंदिर में उसके साथ विवाह रचाया। विवाह के बाद कथावाचक ने उसे कुछ समय तक अपने घर में रखा और इस दौरान उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके साथ ही, युवती ने महंगे जेवरात हड़पने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, कुछ समय बाद उसे छोड़ दिया गया और उससे सभी संबंध समाप्त कर लिए गए। मामला महिला उत्पीड़न से जुड़ा होने के कारण बीकापुर कोतवाली पुलिस ने इसे बेहद गंभीरता से लिया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मुख्य आरोपी कथावाचक पवन देव महाराज और उसके पिता के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुट गई है और सभी तथ्यों को खंगाला जा रहा है। दूसरी ओर, इन गंभीर आरोपों पर सफाई देते हुए कथावाचक पवन देव महाराज ने खुद को पूरी तरह निर्दोष बताया है। उसने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें निराधार और झूठा करार दिया है। कथावाचक का दावा है कि उसकी इस युवती से कभी मुलाकात तक नहीं हुई है।